Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 11

भूगोल

भारत भौतिक पर्यावरण

अध्याय-4 : जलवायु

भाग - 7

दक्षिण-पश्चिमी मानसून की ऋतु (वर्षा ऋतु)

ओम प्रकाश खोजा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

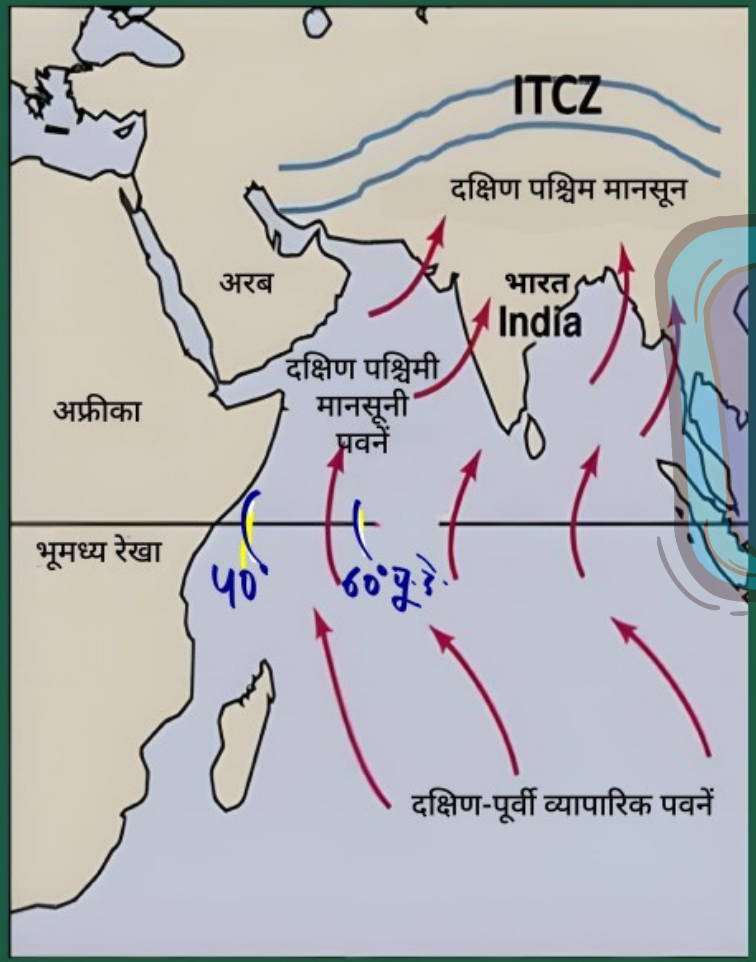


1. मानसून जलवायु में एकरूपता एवं विविधता
2. भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक
3. भारतीय मानसून-I
4. भारतीय मानसून-II
5. शीत ऋतु
6. ग्रीष्म ऋतु
7. दक्षिण-पश्चिमी मानसून की ऋतु (वर्षा ऋतु)
8. मानसून के निवर्तन की ऋतु
9. भारत में वर्षा का वितरण
10. भूमंडलीय तापन

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

भारतीय मानसून



दक्षिण-पश्चिमी मानसून

- उत्तर-पश्चिमी मैदानों में निम्न वायुदाब की दशाएँ
- जून के आरंभ में गहरा निम्न दाब
- दक्षिण-पूर्वी व्यापारिक पवनों का भूमध्य रेखा को पार करके बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में प्रवेश
- पर्याप्त मात्रा में आर्द्रता
- दिशा दक्षिण-पश्चिमी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानसून का प्रस्फोट

प्रचंड गर्जन और बिजली की कड़क के साथ आर्द्रता भरी पवनों का अचानक चलना





Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



दक्षिण-पश्चिमी मानसून का भारत में प्रवेश

- जून के पहले सप्ताह में मालाबार तट, कोंकण
  - केरल, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र के तटीय भागों में
- जुलाई के पहले सप्ताह तक
  - देश के आंतरिक भागों में सक्रिय

Under CSR Support by
ipca | Foundation

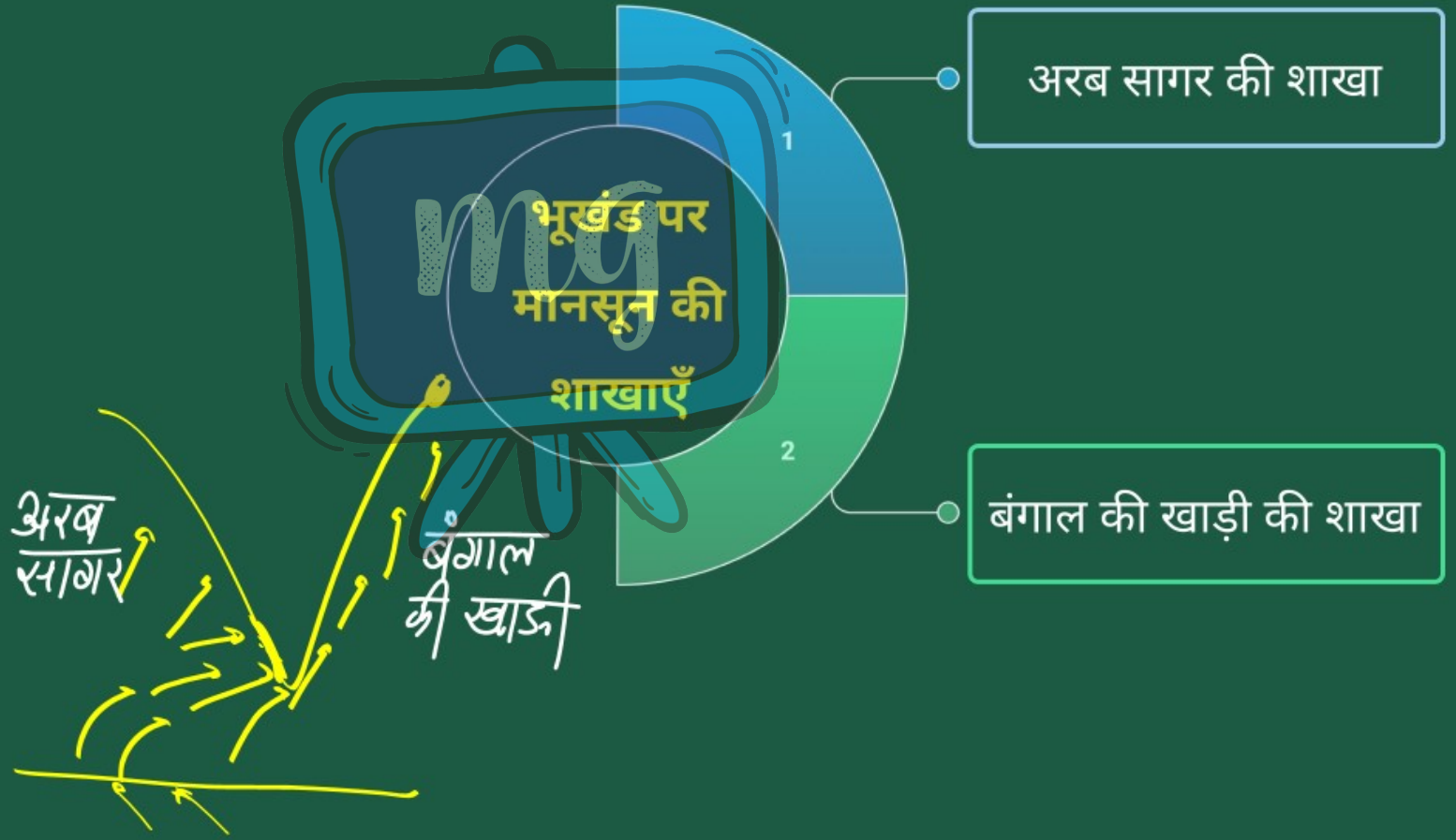
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

☛ मध्य जून से मध्य जुलाई के बीच दिन के तापमान में 5°C – 8°C की गिरावट आ जाती है



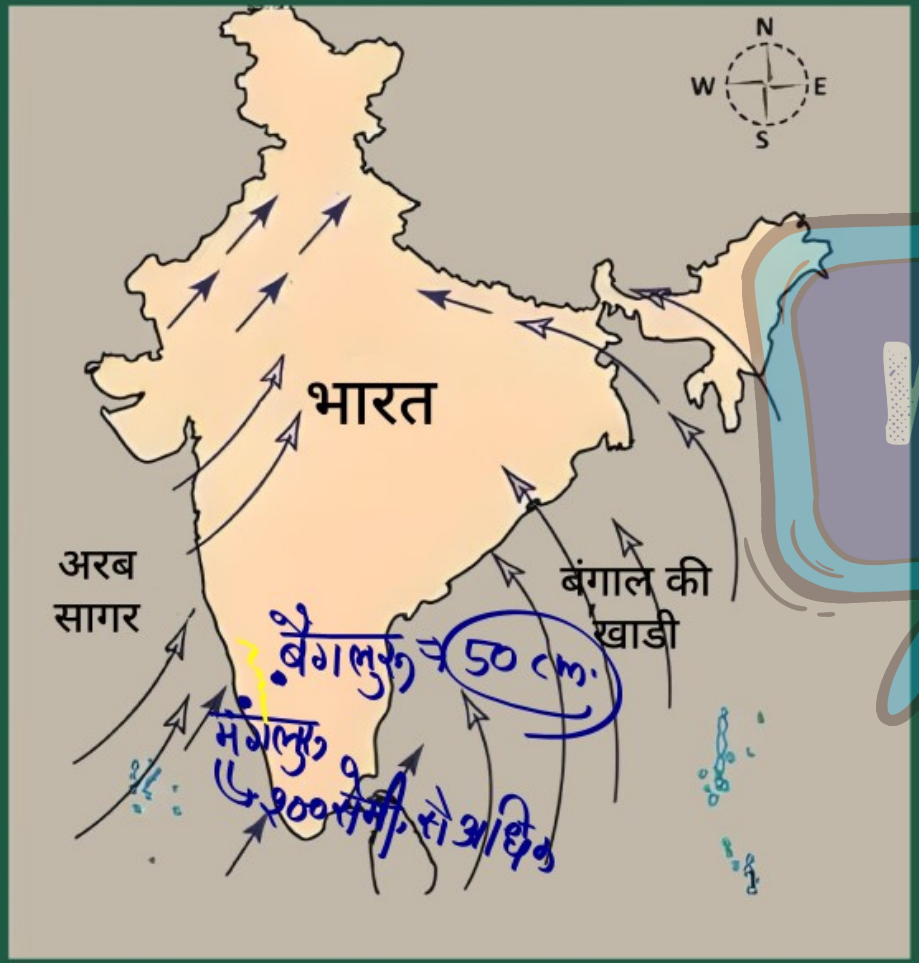
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



अरब सागरीय शाखा

प्रथम शाखा

- पश्चिमी घाट की ढलानों पर 900 से 1200 मीटर की ऊँचाई तक चढ़ती हैं।
- सह्याद्रि की पवनाभिमुखी ढाल तथा पश्चिमी तटीय मैदान पर 250 से 400 सेंटीमीटर वर्षा
- **वृष्टि-छाया क्षेत्र**
  - पश्चिमी घाट के पूर्व में इन पवनों से नाममात्र की वर्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



द्वितीय शाखा

- नर्मदा और तापी नदी घाटियों से मध्य भारत में प्रवेश।
- छोटा नागपुर पठार में 15 सेंटीमीटर वर्षा।
- गंगा के मैदान में प्रवेश कर बंगाल की खाड़ी मानसूनी शाखा से मिल जाती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

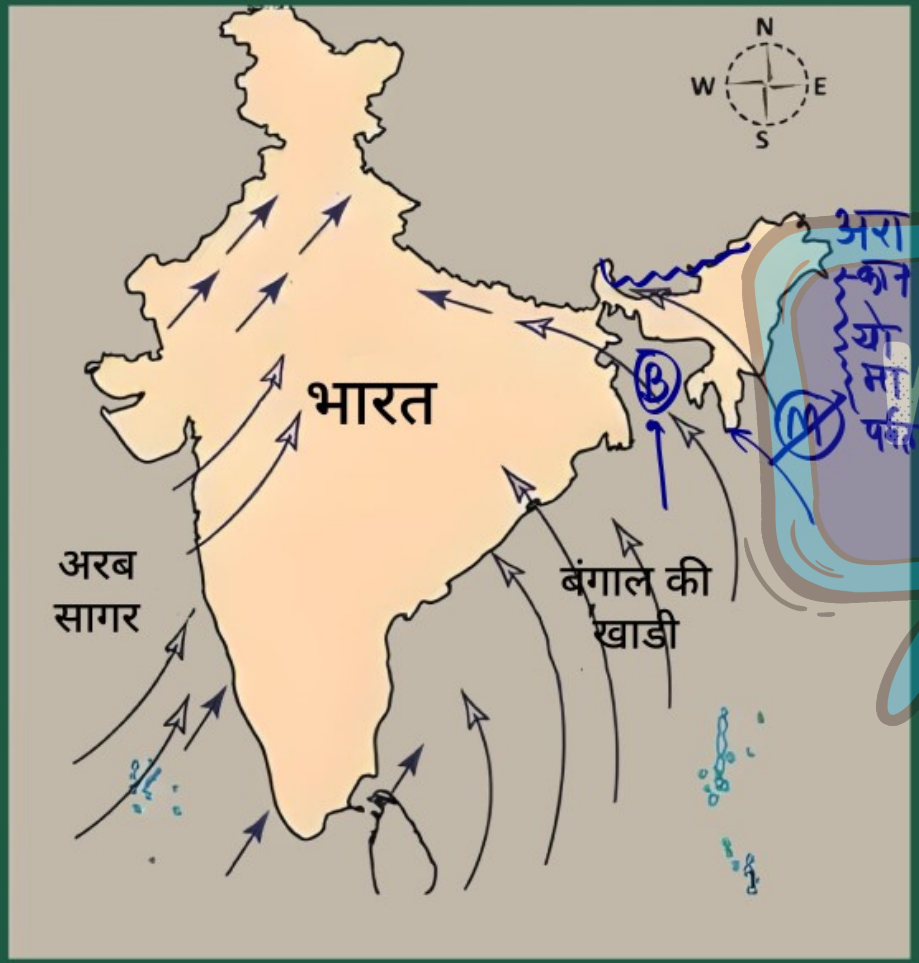


तृतीय शाखा

- सौराष्ट्र प्रायद्वीप और कच्छ से प्रवेश
- अरावली के समान्तर पश्चिमी राजस्थान से अत्यन्त कम वर्षा करके गुजरती है।
- पंजाब और हरियाणा में यह बंगाल की खाड़ी मानसून की शाखा से मिल जाती है।
- पश्चिमी हिमालय धर्मशाला में वर्षा करती हैं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



बंगाल की खाड़ी की मानसून पवनें

- म्यांमार के तट तथा दक्षिण-पूर्वी बांग्लादेश के तट से टकराती है।
- म्यांमार के अराकान पहाड़ियों से भारतीय उपमहाद्वीप की ओर विक्षेपित
- पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश में दक्षिणी व दक्षिण-पूर्वी दिशा से प्रवेश

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रथम शाखा

गंगा के मैदान के साथ-साथ पश्चिम की ओर

गतिशील



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



द्वितीय शाखा

- उत्तर व उत्तर-पूर्व में ब्रह्मपुत्र घाटी में
- उपशाखा मेघालय में गारो और खासी की पहाड़ियों से टकराती है।
- खासी पहाड़ियों के शिखर पर स्थित मॉसिनराम विश्व की सर्वाधिक औसत वार्षिक वर्षा

मेघालय

1080 सेमी० (+)

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

तमिलनाडु तट वर्षा ऋतु में शुष्क

बंगाल की खाड़ी की मानसून पवनों के समानांतर

अरब सागर शाखा का वृष्टि-छाया क्षेत्र




mg
भारत में वर्षा ऋतु के समय जलवायिक दशाएँ

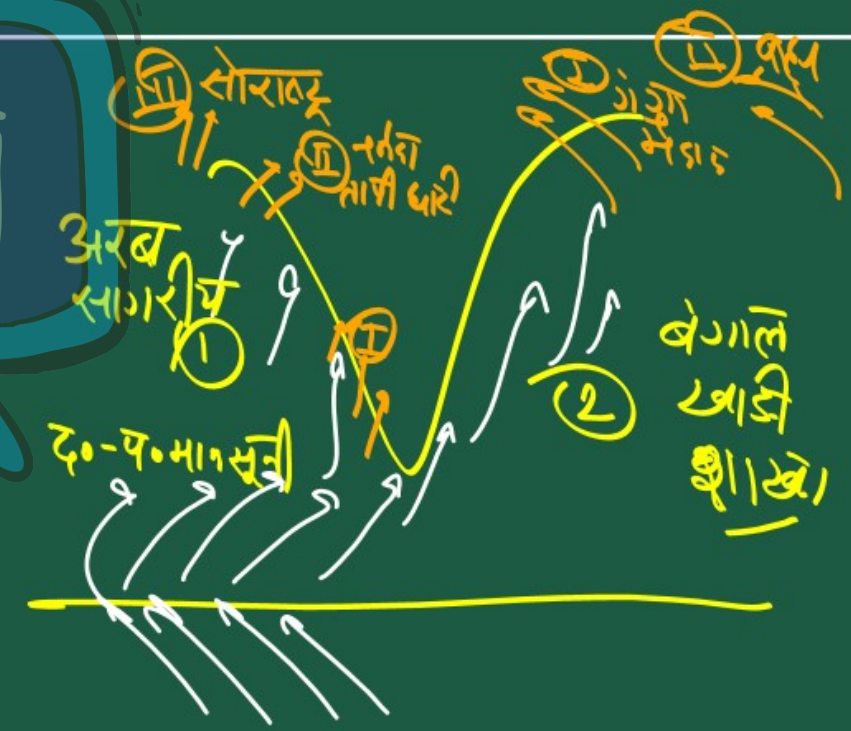
1 भारतीय मानसून की मुख्यत: कितनी शाखाएँ हैं?

अ 1

ब 2

स 3

द 4





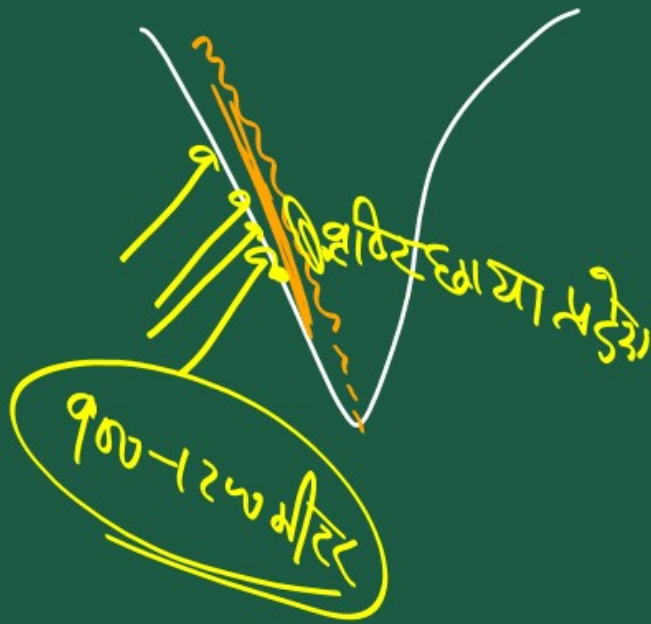
2 पश्चिमी घाट के पश्चिमी ढालों पर वर्षा होती है–

अ 100 – 200 सेमी.

ब 100 – 150 सेमी.

स 50 – 100 सेमी.

द 250 – 400 सेमी.





3 छोटा नागपुर पठार पर अरब सागरीय शाखा से वर्षा होती है –

अ 150 सेमी.

ब 200 सेमी.

स 15 सेमी.

द 50 सेमी.

